सूफीवाद

प्रलिम्सि के लयि:

इस्लामकि रहस्यवाद, वैराग्य, चश्तिी, सुहरावर्दी आदेश।

मेन्स के लयि:

सूफीवाद।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **'इन सर्च ऑफ द डविाइन: लवििग हसि्ट्रीज़ ऑफ सूफीज़्म इन इंडयिा'** नामक पुस्तक प्रकाशति हुई है।

सूफीवाद

- **परचिय:**
  - सूफीवाद इस्लाम का एक आध्यात्मकि रहस्यवाद है तथा यह एक धार्मकि संप्रदाय है जो ईश्वर की आध्यात्मकि खोज पर ध्यान केंद्रति करता है और भौतकिवाद को नकारता है।
  - यह इस्लामी रहस्यवाद का एक रूप है जो तपस्या पर ज़ोर देता है। इसमें भगवान की भक्तपिर बहुत ज़ोर दयिा गया है।
  - सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को धारणा के माध्यम से ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लयि एक आवश्यक शर्त माना जाता है।
  - 12वीं ईस्वी की शुरुआत में फारस में कुछ धार्मकि लोग खलीफा के बढ़ते भौतकिवाद के कारण तपस्या की ओर मुड़ गए। उन्हें 'सूफी' कहा जाने लगा।
  - भारत में सूफी आंदोलन 1300 ईस्वी में शुरू हुआ और 15 वीं शताब्दी में दक्षणि भारत में आया।
  - सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लयि एक आवश्यक शर्त माना जाता था। जबकरिूढ़िवादी मुसलमान बाहरी आचरण पर ज़ोर देते हैं, सूफी आंतरकि शुद्धता पर ज़ोर देते हैं।
  - मुल्तान और पंजाब शुरुआती केंद्र थे और बाद में यह कश्मीर, बहिार, बंगाल और दक्कन में फैल गया।
- **व्युत्पत्त:ि**
  - 'सूफी' शब्द संभवतः अरबी के 'सूफ' शब्द से लयिा गया है जसिका अर्थ है 'वह जो ऊन से बने कपड़े पहनता है'। इसका एक कारण यह है कि ऊनी कपड़ों को आमतौर पर फकीरों से जोड़कर देखा जाता था। इस शब्द का एक अन्य संभावति मूल 'सफा' है जसिका अरबी में अर्थ 'शुद्धता' है।
- **सूफीवाद के चरण:**
  - **पहला चरण (खानकाह):** 10वीं शताब्दी में शुरू हुआ, जसि स्वर्ण रहस्यवाद का युग भी कहा जाता है
  - **दूसरा चरण (तारकिा):** 11-14वीं शताब्दी, जब सूफीवाद को संस्थागत बनाया जा रहा था और परंपराओं एवं प्रतीकों को इसके साथ जोड़ा जाने लगा था।
  - **तीसरा चरण (तारफिा):** 15वीं शताब्दी में शुरू हुआ, इस स्तर पर जब सूफीवाद एक लोकप्रयि आंदोलन बन गया।
- **प्रमुख सूफी सलिसलि:**
  - **चश्तिी:**
    - चश्तियिा सलिसलिा की स्थापना भारत में ख्वाज़ा मोइन-उद्दीन चश्तिी ने की थी।
    - इसने ईश्वर के साथ एकात्मकता (वहदत अल-वुजुद) के सद्धिांत पर ज़ोर दयिा और इस सलिसलि के सदस्य शांतप्रियि थे।
    - उन्होंने सभी भौतकि वस्तुओं को भगवान के चतिन से वकिर्षण के रूप में अस्वीकार कर दयिा।
    - वे धर्मनरिपेक्ष राज्य के साथ संबंध से दूर रहे।
    - उन्होंने भगवान के नामों का ज़ोर से और चुपचाप पाठ (धकिर जाहरी, धकिर खफी), चश्तिी अभ्यास की आधारशलिा का नर्िमाण कयिा।
    - चश्तिी की शक्षिाओं को ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तयिार काकी, फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर, नजिामुद्दीन औलयिा और नसीरुद्दीन चरघ जैसे ख्वाजा मोइन-उद्दीन चश्तिी के शष्यिों द्वारा आगे बढ़ाया तथा लोकप्रयि बनाया गया।
  - **सुहरावर्दी सलिसलिा (Suhrawardi Order):**

        - इसकी स्थापना **शेख शहाबुद्दीन सुहरावार्दी मकतूल** द्वारा की गई थी।
        - चिश्ती सिलसिले के विपरीत सुहरावर्दी सिलसिले को मानने वालों ने सुल्तानों/राज्य के संरक्षण/अनुदान को स्वीकार किया।
    - **नक्शबंदी सिलसिला:**
        - इसकी स्थापना ख्वाज़ा बहा-उल-दीन नक्सबंद द्वारा की गई थी।
        - भारत में इस सिलसिले की स्थापना ख्वाज़ा बहाउद्दीन नक्शबंदी ने की थी।
        - शुरुआत से ही इस सिलसिले के फकीरों ने शरियत के पालन पर ज़ोर दिया।
    - **कदिरिया सिलसिला:**
        - यह पंजाब में लोकप्रिय था।
        - **इसकी स्थापना शेख अब्दुल कादिर गिलानी द्वारा 14वीं शताब्दी में की गई थी** ।
        - वे अकबर के अधीन मुगलों के समर्थक थे।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sufism